अर्जुन बनाम ईशरा
2025/35
निर्णय दिनांकः—09.06.2025

सत्यमेव जयते

# न्यायालय
# सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी
## गुढामालानी—बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी —केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र सं.ः—2025/35 दर्ज तिथिः—30.01.2025

1. अर्जुन पुत्र रायधन
2. अणभा पत्नी तेजाराम
3. गंगाराम पुत्र तेजाराम
4. गवरी पत्नी अर्जुनराम
5. जगदीश पुत्र तेजाराम
6. तगीदेवी पत्नी सदराम
7. मोहनलाल पुत्र तेजाराम
8. वाधुदेवी पत्नी बीरबलराम
9. सुखीदेवी पत्नी पेमाराम
10. हनुमानराम पुत्र तेजाराम

जाति विश्नोई निवासी खाणिया, अर्जुन की ढाणी तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर।

..................प्रार्थी

**बनाम**

1. ईशराराम पुत्र घमण्डाराम
2. घेवरचन्द पुत्र विरधाराम
3. भोमाराम पुत्र घमण्डाराम
4. लालाराम पुत्र घमण्डाराम
5. भाखरा पुत्र पनाराम
6. नारणाराम पुत्र सालगा
7. रामाराम पुत्र सालगा
8. लिखमाराम पुत्र सालगा

जाति जाट खाणिया, अर्जुन की ढाणी तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर

9. चनणाराम पुत्र सरूपाराम
10. देवाराम पुत्र सरूपाराम
11. भीखीदेवी पत्नी सरूपाराम
12. देवाराम पुत्र मूलाराम
13. जैसा पुत्र रामा
14. पुरखा पुत्र रामा

जाति जाट निवासी लोहमरोड़ व नैणों की ढाणी, गोलिया जैतमाल तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर

15. दुर्गाराम पुत्र जोधाराम
16. भाखराराम पुत्र जोधाराम

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.06.16 10:35:05 IST
Reason: SelfAttested

17. मंगलाराम पुत्र जोधाराम
18. किशना पुत्र हरींगा
19. विरमा पत्नी भागीरथराम
20. अणसी पत्नी ठाकराराम
21. हरिकिशनराम पुत्र सोनाराम
    जाति विश्नोई निवासी अणदाणियों की ढाणी, राणासर खुर्द, तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर

.................असल अप्रार्थी

22. शाखा प्रबंधक, बा.स.भू.वि. बैंक शाखा बालोतरा
23. तहसीलदार नोखड़ा जिला बाडमेर।

...............तरतीबी अप्रार्थी

उपस्थित अधिवक्ता
प्रार्थीः—श्री जगदीश विश्नोई
अप्रार्थीगणः—श्री जगदीश कड़वासरा
श्री नारायण कुमावत

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—128
राजस्थान भू—राजस्व अधि—1956

**—:निर्णयः—**

निर्णय तिथिः—09.06.2025

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—128 राजस्थान भू—राजस्व अधि—1956 वास्ते निर्णय हेतु पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थीगण द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थीगण की हाल आराजी खसरा संख्या 540 / 40 / 12.2215 है0, 539 / 40 / 8.9031 है0 मौजा खाणिया, पटवार मण्डल छोटू तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर में स्थित है। उक्त वर्णित आराजी प्रार्थीगण की कब्जेकाश्त खातेदारी की आराजी है एवं आराजी पर प्रार्थीगण काबिज रहकर बिना किसी बाधा वो रूकावट के काश्त करते चले आ रहे है। उक्त खातेदारी आराजी से अप्रार्थीगण का कोई हक संबंध किसी प्रकार का नहीं है। अप्रार्थीगण प्रार्थीगण की आराजी के कार्यकाश्त में बाधा डालते हैं। उक्त आराजी का मौके पर सीमांकन नहीं होने से प्रार्थीगण द्वारा सीमांकन कराए जाने बाबत तहसीलदार नोखड़ा के यहां प्रार्थना—पत्र पेश किया। जिस पर तहसीलदार नोखड़ा के आदेश दिनांक 20.12.2024 की पालना में दिनांक 25.12.2024 को पटवारी हल्का द्वारा उक्त आराजी का सीमांकन करवाया गया। परन्तु अप्रार्थीगण मौके पर असंतुष्ट होकर पैमाईश को नहीं मान रहे है तथा प्रार्थीगण की आराजी को अपनी आराजी में मिलाना चाहते है। अब प्रार्थीगण अपनी खातेदारी आराजी की पत्थरगढ़ी दिनांक 25.12.2024 की सीमाज्ञान रिपोर्ट के अनुसार कराना चाहते है। अंत में प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी उक्त की पत्थरगढ़ी मुताबिक पैमाइश के अनुसार कराए जाने के आदेश जारी करने का निवेदन किया गया।

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.06.16 10:35:05 IST
Reason: SelfAttested

2. प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया एवं अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण संख्या 01 ता 08, 10, 13 ता 15 असालतन–वकालतन हाजिर न्यायालय हुए। शेष अप्रार्थीगण के बावजूद विधिवत तामील अनुपस्थित होने के कारण शेष अप्रार्थीगण के विरूद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गयी। प्रकरण में अधिवक्ता अप्रार्थीगण संख्या 01 ता 08, 10, 13 ता 15 द्वारा जवाब प्रस्तुत नहीं कर सीधे बहस का निवेदन किया गया।

3. न्यायालय द्वारा विद्वान अधिवक्ता उभयपक्षकारान की बहस सुनी गई। दौराने बहस प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना–पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थना–पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी की मुताबिक पैमाइश दिनांक 25.12.2024 के अनुसार पत्थरगढ़ी के आदेश जारी करने का निवेदन किया है। दौराने बहस अप्रार्थी अधिवक्ता द्वारा निवेदन किया गया कि प्रार्थी संख्या 01 की उक्त खातेदारी आराजी एवं प्रार्थी संख्या 02 ता 10 की उक्त क्रयशुदा खातेदारी आराजी अलग–अलग हैं एवं उक्त दोनों खातेदारी आराजी के खसरा भी अलग–अलग है। अतः उक्त दोनों खसरों का एक साथ आवेदन पोषणीय नहीं होने से उक्त आवेदन काबिल–ए–खारिज है।

4. प्रकरण में अप्रार्थीगण का आक्षेप है कि अलग–अलग खसरा के अलग–अलग खातेदार होने के आधार पर उक्त आवेदन पोषणीय नहीं है। इस संबंध में अधिवक्ता प्रार्थी द्वारा दौरान–ए–बहस निवेदन किया गया कि प्रार्थीगण एक ही परिवार के सदस्य हैं। जिनके द्वारा संयुक्त रूप से अपनी खातेदारी आराजी की पक्की नेखमबंदी हेतु उक्त आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अप्रार्थीगण द्वारा उक्त संबंध में अन्य कोई आक्षेप नहीं लगाया गया है। उक्त आक्षेप अस्वीकार कर निर्णय पृथक से किया जा चुका है।

5. मैंने बहस प्रार्थी अधिवक्ता पर मनन किया। प्रकरण में सर्वप्रथम राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम–1956 की धारा–111 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः–

> ***111. Decision of disputes as to boundaries.***—*(1) In case of any dispute concerning any boundaries the Land Records Officer shall decide such dispute, so far as possible, on the basis of the existing survey maps and, where this is not possible or such maps are not available, on the basis of actual possession.*
>
> *(2) If, in the course of an inquiry into a dispute under this section the Land Records Officer is unable to satisfy himself as to which party is in the possession or it if is shown that possession has been obtained by wrongful dispossession of the lawful occupants within a period of three months previous to the commencement of the inquiry, the Land Records Officer shall ascertain by summary inquiry who is the party best entitled to possession and shall then fix the boundary accordingly.*

6. राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम–1956 की धारा–111 के अनुसार खसरों की सीमाओं के विवाद को हाल राजस्व नक्शे के अनुसार तथा हाल राजस्व नक्शे के उपलब्ध न होने पर वास्तविक कब्जे के आधार पर निस्तारित किये जाने के प्रावधान बनाये गये है। खसरों की

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.06.16 10:35:05 IST
Reason: SelfAttested

सीमाओं के विवाद को निस्तारित करने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 के तहत प्रावधान बनाये गये है। अतः प्रकरण में साथ ही राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः—

> ***128. Boundary disputes.*** *- All disputes concerning boundaries shall be decided by the Land Record Officer in the manner laid down in section 111:*
> *Provided that applications in relation to boundaries of fields may be made to and disposed of by the Tehsildar in cases where there exists no dispute as to such boundaries but on account of the absence of proper boundary marks there is the likelihood of such a dispute arising.*

7. उक्त विधिक प्रावधानों के संदर्भ में पत्रावली पर संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी में राजस्व इन्द्राज एवं तहसीलदार नोखड़ा द्वारा किये गये सीमांकन रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड के अंकित इन्द्राज के अनुसार उक्त आराजी प्रार्थीगण की सालिम खातेदारी की आराजी होना साबित है। साथ ही संलग्न रिपोर्ट पैमाइश दिनांक 25.12.2024 से भी यह तथ्य प्रार्थीगण साबित है कि प्रार्थीगण द्वारा तहसीलदार नोखड़ा के माध्यम से हल्का पटवारी से युक्त वर्णित आराजी की पैमाइश कराई जा चुकी है। सीमाज्ञान रिपोर्ट में पटवारी हल्का द्वारा मौके पर मुस्तकिल बिन्दु मानकर सीमाज्ञान किया। मौके पर प्रार्थीगण को सीमाचिह्न बताकर प्रार्थीगण को संतुष्ट किया गया है। तहसीलदार रिपोर्ट के अनुसार उक्त वर्णित आराजी की खसरे की सीमाओं को लेकर अप्रार्थीगण के साथ सीमा विवाद है। इस प्रकार प्रार्थीगण की अपनी कब्जेशुदा खातेदारी आराजी की सुरक्षा तथा सीमा विवाद के निस्तारण हेतु पत्थरगढ़ी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाकर आदेश जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

**प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण अंतर्गत धारा—128 भू—राजस्व अधिनियम—1956 के बाबत् पत्थरगढ़ी किये जाने का स्वीकार किया जाता है। हाल आराजी खसरा संख्या 540/40/12.2215 है0, 539/40/8.9031 है0 मौजा खाणिया, पटवार मण्डल छोटू तहसील नोखड़ा पर प्रार्थीगण एवं संबंधित पक्षकारों/हितधारकों की पूर्व सूचित उपस्थिति में खातेदारी आराजी पर मुताबिक सीमाज्ञान पत्थरगढ़ी कर सीमा निर्धारण किये जाने के आदेश तहसीलदार नोखड़ा को दिये जाते हैं एवं साथ ही निर्देश दिये जाते हैं कि अप्रार्थीगण को मौके पर उपस्थित रहने बाबत जरिये नोटिस पूर्वसूचित करते हुए पत्थरगढ़ी की जाकर पालना रिपोर्ट न्यायालय को अवगत करायें। पक्षकार अपना—अपना खर्चा स्वयं वहन करेंगे।**

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.06.16 10:35:05 IST
Reason: SelfAttested

आदेश प्रति पालनार्थ हेतु तहसीलदार नोखड़ा को भिजवाई जावें। अहकाम पृथक से जारी किया जावे।

यह आदेश मेरे द्वारा आज दिनांक 09.06.2025 को लिखवाया जाकर सरे—इजलास सुनाया जाकर हस्ताक्षर व मोहर युक्त जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)
उपखण्ड अधिकारी
गुढ़ामालानी (बाड़मेर)

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.06.16 10:35:05 IST
Reason: SelfAttested